

时代文艺出版社

中国古典小说名著普及版书系

● 蒲松龄 著

《聊斋志异》很多故事曾在民间流传，保留着原始宗教的特质，在祖先崇拜观念中，灵魂被视为

命的本质，是各种事物生命活力的源泉，因此，《聊斋志异》

在祖先崇拜

观念中，灵魂被视

其那些转生和借入之尸还魂的故事，这种倾向更为浓

重。

玉角转生为白部女，

由她们的母性自然所致，还没有言之。她们

已爱恋对象的认可，并没有因

貌的改变而影响两性之间的情爱。《莲香》中的李氏女鬼是

女张燕儿之尸复生，还魂之后逐

貌，恢复前身的模样。这则故事的情节尤为离奇，但它所

示的，却是灵魂是灵魂主

异同则是次要的。



时代文艺出版社

中国古典小说名著普及版书系

● 蒲松龄 著

聊斋志异

很多故事，在民间流传，保留着原始本真。在《聊斋志异》中，灵魂被现世的物质所束缚，人与事物的生命力被扼杀，如蛇、蝎、鼠、虫等，它们的本性、天性被扭曲得面目全非。

《聊斋志异》是蒲松龄对人性的深刻剖析，也是对生命的尊重和热爱。他笔下的鬼怪，都是有血有肉、有情有义的，它们身上闪烁着人性的光辉。

《聊斋志异》中的主角转生为古尸、活女、僵尸、白蛇、白狐、白狼等，它们都有自己的情感和思想，有自己的人生观和价值观。

《聊斋志异》通过一个个生动有趣的故事，揭示了封建社会的黑暗和残酷，表现了对生命的尊重和热爱，以及对人性的深刻剖析。

《聊斋志异》是蒲松龄对人性的深刻剖析，也是对生命的尊重和热爱。他笔下的鬼怪，都是有血有肉、有情有义的，它们身上闪烁着人性的光辉。

《聊斋志异》中的主角转生为古尸、活女、僵尸、白蛇、白狐、白狼等，它们都有自己的情感和思想，有自己的人生观和价值观。

《聊斋志异》通过一个个生动有趣的故事，揭示了封建社会的黑暗和残酷，表现了对生命的尊重和热爱，以及对人性的深刻剖析。

《聊斋志异》是蒲松龄对人性的深刻剖析，也是对生命的尊重和热爱。他笔下的鬼怪，都是有血有肉、有情有义的，它们身上闪烁着人性的光辉。

插图足本

插图是必要的



图书在版编目(CIP)数据

聊斋志异/(清)蒲松龄著. —长春:时代文艺出版社,2000.5

(中国古典小说名著普及版书系)

ISBN 7 - 5387 - 1414 - 6

I. 聊… II. 蒲… III. 笔记小说—中国—清代 IV. I242.1

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2000)第 17141 号

聊斋志异(插图足本)

作 者:(清)蒲松龄

责任编辑:王志茹

装帧设计:郭 炜

出 版:时代文艺出版社

(长春市人民大街 124 号 邮编:130021 电话:5638648)

发 行:时代文艺出版社

印 刷:茂名广发印刷有限公司

(茂名市计星路 60 号 邮编:525000)

邮购地址:广州市东华南路 118 号 B201 室 邮编:510100

联系人:王雯 邹亚洲 联系电话:020 - 83860700

开 本:850 × 1168 毫米 32 开

字 数:523 千字

印 张:16.75

版 次:2000 年 5 月第 1 版

印 次:2003 年 6 月第 2 版第 1 次印刷

书 号:ISBN 7 - 5387 - 1414 - 6/I · 1374

定 价:27.00 元(软精装)

目 录

| | |
|---------------|------------------|
| 导 读 | (1) |
| 第一卷 | |
| 考城隍 | (5) 娇 娜 |
| 耳中人 | (5) 僧 莽 |
| 尸 变 | (6) 妖 术 |
| 喷 水 | (7) 野 狗 |
| 瞳人语 | (7) 三 生 |
| 画 壁 | (8) 狐 入 瓶 |
| 山 魁 | (9) 鬼 哭 |
| 咬 鬼 | (9) 真 定 女 |
| 捉 狐 | (10) 焦 蝴 |
| 莽 中 怪 | (10) 叶 生 |
| 宅 妖 | (11) 四 十 千 |
| 王 六 郎 | (11) 成 仙 |
| 偷 桃 | (13) 新 郎 |
| 种 梨 | (14) 灵 官 |
| 劳 山 道 士 | (14) 王 兰 |
| 长 清 僧 | (15) 鹰 虎 神 |
| 蛇 人 | (16) 王 成 |
| 研 蝴 | (17) 青 凤 |
| 犬 奸 | (17) 画 皮 |
| 冤 神 | (18) 贾 儿 |
| 狐 嫂 女 | (18) 蛇 痘 |

第二卷

| | | | |
|------|------|------|------|
| 金世成 | (43) | 祝 翁 | (65) |
| 董 生 | (43) | 猪婆龙 | (65) |
| 翫 石 | (44) | 某 公 | (66) |
| 庙 鬼 | (45) | 快 刀 | (66) |
| 陆 判 | (45) | 侠 女 | (66) |
| 婴 宁 | (47) | 酒 友 | (68) |
| 聂小倩 | (51) | 莲 香 | (69) |
| 义 鼠 | (54) | 阿 宝 | (74) |
| 地 震 | (54) | 九山王 | (76) |
| 海公子 | (55) | 遵化署狐 | (77) |
| 丁前溪 | (55) | 张 诚 | (78) |
| 海大鱼 | (56) | 汾州狐 | (80) |
| 张老相公 | (56) | 巧 娘 | (80) |
| 水莽草 | (56) | 吴 令 | (83) |
| 造 畜 | (59) | 口 技 | (84) |
| 凤阳士人 | (59) | 狐 联 | (84) |
| 耿十八 | (60) | 滩水狐 | (85) |
| 珠 儿 | (61) | 红 玉 | (85) |
| 小官人 | (63) | 龙 | (88) |
| 胡四姐 | (63) | 林四娘 | (88) |

第三卷

| | | | |
|-----|------|------|-------|
| 江 中 | (91) | 金陵女子 | (100) |
| 鲁公女 | (91) | 汤 公 | (101) |
| 道 士 | (93) | 阎 罗 | (102) |
| 胡 氏 | (94) | 连 璞 | (102) |
| 戏 术 | (95) | 单道士 | (104) |
| 丐 僧 | (95) | 白子玉 | (106) |
| 伏 狐 | (96) | 夜叉国 | (108) |
| 蛰 龙 | (96) | 小 豢 | (110) |
| 苏 仙 | (96) | 西 僧 | (111) |
| 李伯言 | (97) | 老 鬻 | (111) |
| 黄九郎 | (98) | 连 城 | (112) |

| | | | |
|-----|-------|---------|-------|
| 霍 生 | (114) | 犬 灯 | (127) |
| 汪士秀 | (115) | 番 僧 | (127) |
| 商三官 | (116) | 狐 妾 | (128) |
| 于 江 | (117) | 雷 曹 | (129) |
| 小 二 | (117) | 赌 符 | (131) |
| 庚 娘 | (119) | 阿 霞 | (132) |
| 宫梦弼 | (122) | 李 司 鉴 | (133) |
| 雉 鵠 | (124) | 五 究 大 夫 | (133) |
| 刘海石 | (125) | 毛 狐 | (133) |
| 谕 鬼 | (126) | 翩 翩 | (135) |
| 泥 鬼 | (126) | 黑 兽 | (136) |
| 梦 别 | (126) | | |

第四卷

| | | | |
|---------|-------|---------|-------|
| 余 德 | (138) | 姊 妹 易 嫁 | (158) |
| 杨 千 总 | (139) | 续 黄 梁 | (160) |
| 瓜 异 | (139) | 龙 取 水 | (162) |
| 青 梅 | (139) | 小 猪 犬 | (163) |
| 罗 刺 海 市 | (142) | 棋 鬼 | (163) |
| 田 七 郎 | (146) | 辛 十 四 娘 | (164) |
| 产 龙 | (148) | 白 莲 教 | (167) |
| 保 住 | (148) | 双 灯 | (168) |
| 公 孙 九 娘 | (149) | 捉 鬼 射 狐 | (168) |
| 促 织 | (151) | 塞 债 債 | (170) |
| 柳 秀 才 | (152) | 头 滚 | (171) |
| 水 灾 | (154) | 鬼 作 筵 | (171) |
| 诸 城 某 甲 | (154) | 胡 四 相 公 | (171) |
| 库 官 | (154) | 念 秩 | (173) |
| 鄭 都 御 史 | (155) | 蛙 曲 | (176) |
| 龙 无 目 | (155) | 鼠 戏 | (176) |
| 狐 谱 | (155) | 泥 书 生 | (177) |
| 兩 钱 | (157) | 土 地 夫 人 | (177) |
| 妾 击 贼 | (157) | 寒 月 芙 蕤 | (177) |
| 驅 怪 | (158) | 酒 狂 | (178) |

第五卷

| | | | |
|------|-------|-------|-------|
| 阳武侯 | (181) | 土偶 | (203) |
| 赵城虎 | (181) | 长治女子 | (204) |
| 螳螂捕蛇 | (182) | 义犬 | (205) |
| 武技 | (182) | 鄱阳神 | (205) |
| 小人 | (183) | 伍秋月 | (205) |
| 秦生 | (183) | 莲花公主 | (207) |
| 鹤头 | (183) | 绿衣女 | (208) |
| 酒虫 | (187) | 黎氏 | (209) |
| 木雕美人 | (187) | 荷花三娘子 | (210) |
| 封三娘 | (187) | 骂鸭 | (211) |
| 狐梦 | (190) | 柳氏子 | (212) |
| 布客 | (191) | 上仙 | (212) |
| 农人 | (192) | 侯静山 | (213) |
| 章阿端 | (192) | 钱流 | (213) |
| 傅托媪 | (194) | 郭生 | (213) |
| 金永年 | (194) | 金生色 | (214) |
| 花姑子 | (195) | 彭海秋 | (215) |
| 武孝廉 | (197) | 堪舆 | (218) |
| 西湖主 | (198) | 窦氏 | (219) |
| 孝子 | (202) | 梁彦 | (220) |
| 狮子 | (202) | 龙肉 | (220) |
| 閻王 | (202) | | |

第六卷

| | | | |
|------|-------|------|-------|
| 潞令 | (221) | 大力将军 | (230) |
| 马介甫 | (221) | 白莲教 | (231) |
| 魁星 | (225) | 顾氏 | (231) |
| 库将军 | (225) | 杜翁 | (232) |
| 绛妃 | (225) | 小谢 | (234) |
| 河间生 | (227) | 缢鬼 | (236) |
| 云翠仙 | (227) | 吴门画工 | (237) |
| 跳神 | (229) | 林氏 | (237) |
| 铁布衫法 | (230) | 胡大姑 | (238) |

| | | | |
|------|-------|-----|-------|
| 细侯 | (239) | 大人 | (250) |
| 狼三则 | (240) | 向果 | (251) |
| 美人首 | (241) | 董公子 | (252) |
| 刘亮采 | (241) | 周三 | (252) |
| 蕙芳 | (242) | 鸽异 | (253) |
| 山神 | (243) | 聂政 | (254) |
| 萧七 | (243) | 冷生 | (255) |
| 乱离二则 | (245) | 狐惩淫 | (255) |
| 葵蛇 | (245) | 山市 | (256) |
| 雷公 | (246) | 江城 | (257) |
| 菱角 | (246) | 孙生 | (260) |
| 饿鬼 | (247) | 八大王 | (261) |
| 考辨司 | (248) | 戏缢 | (263) |
| 阎罗 | (250) | | |

第七卷

| | | | |
|------|-------|-----|-------|
| 罗祖 | (264) | 鬼津 | (286) |
| 刘姓 | (264) | 仙人岛 | (286) |
| 邵九娘 | (267) | 阎罗薨 | (289) |
| 况仙 | (270) | 颠道人 | (290) |
| 二商 | (272) | 胡四娘 | (290) |
| 沂水秀才 | (273) | 僧术 | (292) |
| 梅女 | (274) | 祿數 | (292) |
| 郭秀才 | (276) | 柳生 | (293) |
| 死僧 | (276) | 冤狱 | (294) |
| 阿英 | (277) | 鬼令 | (295) |
| 橘树 | (279) | 甄后 | (296) |
| 赤字 | (279) | 宦娘 | (298) |
| 牛成章 | (279) | 阿绣 | (300) |
| 青娥 | (280) | 杨疤眼 | (302) |
| 镜听 | (284) | 小翠 | (302) |
| 牛痘 | (284) | 金和尚 | (305) |
| 金姑夫 | (285) | 龙戏蝶 | (306) |
| 梓潼今 | (285) | 商妇 | (306) |

- 阎罗宴 (307) 细柳 (307)
役鬼 (307)

第八卷

- 画马 (310) 褚生 (326)
局诈 (310) 盗户 (327)
放蝶 (312) 某乙 (328)
男生子 (314) 霍女 (328)
钟生 (314) 司文郎 (332)
鬼妻 (316) 丑狐 (334)
黄将军 (316) 吕无病 (335)
三朝元老 (316) 钱卜巫 (338)
医术 (317) 姚安 (339)
藏虱 (317) 采薇翁 (340)
梦狼 (318) 崔猛 (341)
夜明 (319) 诗谶 (343)
夏雪 (319) 鹿衔草 (344)
化男 (320) 小棺 (344)
禽侠 (320) 邢子仪 (346)
鸿 (320) 李生 (347)
象 (321) 陆押官 (347)
负尸 (321) 蒋太史 (348)
紫花和尚 (321) 邵士梅 (348)
周克昌 (322) 顾生 (348)
嫦娥 (322) 陈锡九 (349)
鞠乐如 (325)

第九卷

- 邵临淄 (352) 张贡士 (359)
于去恶 (352) 爱奴 (359)
狂生 (354) 单父宰 (362)
激俗 (355) 孙必振 (362)
凤仙 (355) 邑人 (363)
佟客 (357) 元宝 (363)
辽阳军 (358) 研石 (363)

| | | | |
|-----|-------|------|-------|
| 武夷 | (363) | 刁姓 | (374) |
| 大鼠 | (363) | 农妇 | (375) |
| 张不量 | (364) | 金陵乙 | (375) |
| 牧竖 | (364) | 郭安 | (376) |
| 富翁 | (364) | 折狱 | (376) |
| 王司马 | (364) | 义犬 | (379) |
| 岳神 | (365) | 杨大洪 | (379) |
| 小梅 | (365) | 查牙山洞 | (380) |
| 药僧 | (367) | 安期岛 | (380) |
| 于中丞 | (368) | 沅俗 | (381) |
| 皂隶 | (368) | 云萝公主 | (381) |
| 绩女 | (369) | 鸟语 | (385) |
| 红毛毡 | (370) | 天宫 | (386) |
| 抽肠 | (370) | 乔女 | (387) |
| 张鸿渐 | (370) | 蛤 | 388) |
| 太医 | (373) | 刘夫人 | (388) |
| 牛飞 | (373) | 陵县狐 | (390) |
| 王子安 | (374) | | |

第十卷

| | | | |
|-----|-------|------|-------|
| 王货郎 | (392) | 贾奉雉 | (411) |
| 墨龙 | (392) | 胭脂 | (413) |
| 真生 | (392) | 阿纤 | (417) |
| 布商 | (394) | 瑞云 | (419) |
| 彭二挣 | (395) | 仇大娘 | (420) |
| 何仙 | (395) | 曹操家 | (423) |
| 牛同人 | (396) | 龙飞相公 | (424) |
| 神女 | (396) | 珊瑚 | (426) |
| 湘裙 | (399) | 五通 | (429) |
| 三生 | (401) | 又 | (430) |
| 长亭 | (402) | 申氏 | (431) |
| 席方平 | (405) | 恒娘 | (433) |
| 素秋 | (407) | 葛巾 | (434) |

第十一卷

| | | | |
|------|-------|------|-------|
| 冯木匠 | (438) | 竹青 | (461) |
| 黄英 | (438) | 段氏 | (462) |
| 书痴 | (440) | 狐女 | (464) |
| 齐天大圣 | (443) | 张氏妇 | (464) |
| 青蛙神 | (444) | 于子游 | (465) |
| 又 | (446) | 男妾 | (465) |
| 任秀 | (447) | 汪可受 | (465) |
| 晚霞 | (448) | 牛犊 | (466) |
| 白秋练 | (450) | 王大 | (466) |
| 王者 | (452) | 乐仲 | (468) |
| 某甲 | (453) | 香玉 | (470) |
| 衢州三怪 | (453) | 三仙 | (474) |
| 拆楼人 | (454) | 鬼隶 | (474) |
| 大蝎 | (454) | 王十 | (474) |
| 陈云栖 | (454) | 大男 | (476) |
| 司礼吏 | (458) | 外国人 | (478) |
| 妯娌 | (458) | 韦公子 | (478) |
| 司训 | (459) | 石清虚 | (479) |
| 黑鬼 | (459) | 曾友子 | (480) |
| 织成 | (459) | 嘉平公子 | (483) |

第十二卷

| | | | |
|------|-------|-------|-------|
| 二班 | (485) | 古瓶 | (492) |
| 车夫 | (486) | 元少先生 | (493) |
| 乩仙 | (486) | 薛慰娘 | (493) |
| 苗生 | (486) | 田子成 | (495) |
| 蝎客 | (487) | 王桂庵 | (496) |
| 杜小雷 | (487) | 寄生(附) | (498) |
| 毛大福 | (488) | 周生 | (501) |
| 電神 | (488) | 褚遂良 | (501) |
| 李八缸 | (490) | 刘全 | (502) |
| 老龙缸户 | (491) | 土化兔 | (503) |
| 青城妇 | (491) | 鸟使 | (503) |
| 鵠鸟 | (492) | 姬生 | (503) |

| | | | |
|-------|-------|-----|-------|
| 果 报 | (504) | 新郑讼 | (516) |
| 公孙夏 | (506) | 李象先 | (517) |
| 韩 方 | (507) | 房文淑 | (517) |
| 纫 针 | (508) | 秦 檷 | (519) |
| 桓 侯 | (510) | 浙东生 | (519) |
| 粉 蝶 | (511) | 博兴女 | (519) |
| 李 檨 斯 | (513) | 一员官 | (520) |
| 锦 瑟 | (513) | 丐 仙 | (520) |
| 太原狱 | (516) | 人 妖 | (523) |

导 读

李炳海

《聊斋志异》是中国古典小说的珍品，这部短篇小说集在它创作之初便有人传抄，成书之后流传更加广泛。19世纪中叶传播到国外，已有英、法、德、俄、日等二十多个语种的译本。

《聊斋志异》的作者蒲松龄(1640—1715)，字留仙，号剑臣，别号柳泉居士。山东淄川(今淄博市淄川区)蒲家庄人。蒲家庄有柳泉，故以为号。该庄原名满井庄，因蒲氏宗族蕃盛而改名蒲家庄。

《聊斋志异》很多故事曾在民间流传，保留着原始宗教的特点。在原始宗教观念中，灵魂被视为生命的本质，是各种事物生命活力的源泉，因此，《聊斋志异》在刻画各种狐妖鬼魅时，往往取其神而略其形，尤其那些转生和借他人之尸还魂的故事，这种倾向更为明显。《鲁公女》中的主角转生为卢户部女，《小谢》中的秋甯借蔡氏女之尸得以还魂，这两位再生之女和她们的前身相比，形貌迥异，是完全不同的两个人，但她们的灵魂却依然如故，并没有改变。她们都仍然得到自己爱恋对象的认可，并没有因为形貌的改变而影响两性之间的情爱。《莲香》中的李氏女鬼借富家女张燕儿之尸复生，还魂之后又逐渐改变形貌，恢复前身的模样。这则故事的情节尤为离奇，但它所表现的仍然是灵魂至重的观念，至于形貌的异同则是次要的。

《聊斋志异》是从生命一体化观念出发去表现各种狐妖鬼魅

导
读

的变形、转生，重视灵魂的流转。但是，各种事物的具体形态毕竟是有差异的，千差万别才构成世界的丰富性。蒲松龄在展示妖魅的转生、变形过程中，没有忽视表现对象本身的特征，在看似漫不经心的描写中把它显示出来。《绿衣女》中的女子是蜜蜂所化，因此，“绿衣长裙”、“腰细殆不盈掬”，保留了蜜蜂的形体特征。《阿英》中的女主角是鹦鹉所化，娇婉善言，保留了鹦鹉的原型。类似描写在《聊斋志异》中极为常见，虽然着墨不多，却是传神之笔，从中可以见作者的匠心。花神则芳气袭人，树仙则婀娜多姿，狐魅则智慧过人，狼妖则淫泆贪暴。《聊斋志异》中的各类形象之所以栩栩如生，就在于作者突出了表现对象的个性特征。

《聊斋志异》在叙述、描写人和各种灵异之物的交往时，往往按照同类相应、同气相求的模式安排故事情节。同类相应、同气相求是一种古老的观念，指的是同类事物能够彼此趋近，产生感应，实现生命层面的沟通。《聊斋志异》的许多故事，就是以同类相应、同气相求为契机而发生、延展的。《莲花公主》中的窦旭梦入仙界桂府，在与府王属对时有“君子爱莲花”之语，于是遂与莲花公主婚配。《黄英》中的马子才世代好菊，因此有机会结识男女菊仙。《书痴》中的郎玉柱深信“书中自在颜如玉”，后来果真有美人从书中走出。在这类故事中，人的兴趣、嗜好、意念，成为沟通人神的媒介，赋予它们以感应力和凝聚力。同类相应、同气相求在《聊斋志异》有时和因果报应观念结合在一起，生成许多善有善报，恶有恶报的故事。

《聊斋志异》的多数故事发生在人和各种狐妖鬼魅的交往过程中，现实世界和想象世界、此岸世界和彼岸世界是相通的。作者采用恍惚迷离的笔法，使得两个世界的畛域显得模糊不清。《画壁》先是叙述朱孝廉在佛寺与画上的天女同眠共枕，宛如世间夫妇。后来天女出入画面，仍然是纸上人，写得亦真亦幻。《长清僧》的主人公本为佛教徒，死后托体他人而转生，依旧不为世事动心，写得亦死亦生。《成仙》中的周生梦见自己成仙，醒来后仍在床榻，可

是,回到家里询问,梦中的事情又似乎是真的,写得亦梦亦醒。蒲松龄在描写现实世界和想象世界的急剧转换时,往往采用大起大落,迅雷不及掩耳的笔法,把两个世界的流转明灭写得非常传神。荒郊古墓,忽然出现华丽的殿堂;斗室蚁穴,瞬间成了宽敞的庭院。无中生有,小大由之,作者仿佛有缩地术,万里之遥变为眉睫之间;他又仿佛有显微镜,纤尘微粒成了大千世界。

《聊斋志异》虽然用主要笔墨刻画狐妖鬼魅,但作者的立足点却是现实世界。蒲松龄在作品中揭示了现实世界人类的诸多困扰,这些困扰有的来自社会,有贪官污吏的胡作非为,有劣绅恶霸的巧取豪夺,有婚姻的不自由,有科举的营私舞弊。还有的困扰来自人本身,是人的劣根性的恶习造成的。蒲松龄怀着一颗仁慈之心,通过人与狐妖鬼魅的交往故事而惩恶劝善。《瞳人语》谏淫,《赌符》谏赌,《酒狂》谏酒。无论是反抗社会的黑暗,还是克服人类自身的弱点,《聊斋志异》都借助于狐妖鬼魅的超验性力量,通过他们来解决世人无能为力的难题。《婴宁》中的女主人公是狐狸所生,她用法术惩罚邻居的浮浪子,使他一命归天。《田七郎》中的男主角本来已经自刭而死,倒在血泊中。仇人来到后,“尸忽崛然跃起”,把仇人斩首。这类奇迹在现实生活中都是不可能出现的。

《聊斋志异》的风格是浪漫荒幻的,作者以这种特殊的方式寄托自己的美好理想。他笔下的许多动人形象,有的超越了世俗的两性之爱,在男女之间所见到的是纯净的精神沟通,《娇娜》中的孔雪笠和狐妖娇娜就是如此。有的超越了人类乐生恶死的本能,把转生的机会让给别人,宁可自己继续生活在冥间,《王六郎》、《水莽草》等篇都可以见到这样的故事。《聊斋志异》中不乏人和狐妖鬼魅相冲突的作品,更多的却是二者友好相处,狐妖鬼魅给以各种帮助。在作者看来,人被狐妖鬼魅所害,主要根源在于人自身,是人的占有欲望带来的灾难,贪财好色是招致不幸的主要祸根,《聂小倩》篇假借女鬼之口说出了这个道理,鬼魅以财和色诱惑人,经不起诱惑者被杀,心志坚定的甯采臣则感动了女鬼,二人结为伉俪。

许多类似故事富有辩证性，发人深思。

蒲松龄是一位饱学之士，知识渊博，因此，《聊斋志异》具有很高的文化品位。有些故事看似民间传说，实际是在古人作品基础上生发出来的。《婴宁》中的女主人公之名取自《庄子·大宗师》，是指不受外界干扰的纯净的心灵境界。《黄英》中所出现的菊仙，则和陶渊明的“采菊东篱下”的诗句有直接关系，其中的男菊仙姓陶，这个故事脱胎于陶渊明诗是无可争辩的事实。《荷花三娘子》的女主角忽而为花，忽而为人，忽而为怪石，隐约透露出是以陆游诗“花如解语还多事，石不能言最可人”为造端。这类故事寓意深刻，富有诗情画意。

《聊斋志异》许多作品的末尾都有蒲松龄以异史氏名义所作的评论。这些评论有的是阐述故事本身所具有的意义，有的是借题发挥，用以表达自己的观点。后一种情况虽然往往不符合作品的本意，但却经常有独到的见解，是蒲松龄在创作过程中激发出的思想火花。

第一卷

考城隍

予姊丈之祖宋公讳焘，邑庠生。一日，病卧，见吏人持牒，牵白颠马来，云：“请赴试。”公言：“文宗未临，何遽得考？”吏不言，但敦促之。公力疾乘马从去，路甚生疏。至一城郭，如王者都。

移时入府廨，宫室壮丽。上坐十余官，都不知何人，惟关壮缪可识。檐下设几、墩各二，先有一秀才坐其末，公便与连肩。几上各有笔札。俄题纸飞下。视之八字，云：“一人二人，有心无心。”二公文成，呈殿上。公文中有云：“有心为善，虽善不赏；无心为恶，虽恶不罚。”诸神传赞不已。召公上，谕曰：“河南缺一城隍，君称其职。”公方悟，顿首泣曰：“辱膺宠命，何敢多辞！但老母七旬，奉养无人，请得终其天年，惟听录用。”上一帝王像者，即命稽母寿籍。有长须吏，捧册翻阅一过，白：“有阳算九年。”共踌躇间，关帝曰：“不妨令张生摄篆九年，瓜代可也。”乃谓公：“应即赴任；今推仁孝之心，给假九年，及期当复相召。”又勉励秀才数语。

二公稽首并下。秀才握手，送诸郊野，自言长山张某。以诗赠别，都忘其词，中有“有花有酒春常在，无烛无灯夜自明”之句。公既骑，乃别而去。

及抵里，豁若梦寤。时卒已三日。母闻棺中呻吟，扶出，半日始能语。问之长山，果有张生，于是日死矣。

后九年，母果卒。营葬既毕，浣濯入室而歿。其岳家居城中西门内，忽见公镂膺朱帻，舆马甚众，登其堂，一拜而行。相共惊疑，不知其为神。奔询乡中，则已歿矣。

公有自记小传，惜乱后无存，此其略耳。

耳中人

谭晋玄，邑诸生也。笃信导引之术，寒暑不辍，行之数月，若有所得。一日，方趺坐，闻耳中小语如蝇，曰：“可以见矣。”开目即不复闻；合眸定息，又闻如故。谓是丹将成，窃喜。自是每坐辄闻，因俟其再言，当应以觇之。

第一卷